फील्ड मार्शल®

जैविक – खाद

(प्राकृतिक मिश्रण)

किसान भाइयों के लिये खुशखबरी

उठो जागो और खरीदो
केवल
फील्डमार्शल जैविक खाद (सेन्द्रीय खाद)
और
पाओ भरपूर प्राकृतिक फसल

(व्यापारी बन्धुओं, किसान भाइयो, सहकारी संघों पूछताछ हेतु सम्पर्क करे)

जे. चंद्रकांत एण्ड कुं

फ़ोन :०२८१-२३८७९९३ / २२२३८७२

फील्ड मार्शल®

जैविक – खाद

फील्डमार्शल जैविक खाद के लाभ :

१. भूमि की उत्पादक्ता क्षमता में वृद्धि करती है।
२. भूमि में जीवाणु उत्पन्न करने में सहाय करते है।
३. जीवाणु उत्पन्न होने से फसल की प्रतिकारक शक्ति बढ जाती है-जिससे कीडे नहीं लगते है।
४. नीम व तम्बाकु पावडर की वजह से कीटनाशक दवाईयों की आवश्यक्ता नहीं होती है -जिससे आर्थिक लाभ होता है।
५. भूमिकी आद्रता (नमी) को बरकरार रखती है। जिसमें कम पानी की आवश्यक्ता पडती है।
६. फसलों का गम्भीर संक्रामण रोगों से बचाव करती है।
७. रसायनिक खाद की तुलना में सस्ती है - रसायनिक खाद के साथ मिलाकर भी इसका उपयोग किया जा सक्ता है।
८. प्राकृतिक रुप से फसल की उपज में वृद्धि होती है - फसल स्वादिष्ट व मानव के स्वास्थ्य के लिये लाभदायक होती है।
९. जमीन नरम और छिद्रालु बनती है।

रसायनिक खाद की हानियॉं :

१. भूमि की उत्पादकता क्षमता को नष्ट करती है।
२. भूमि के जीवाणुओं को नष्ट करती है।
३. जीवाणु नष्ट होने से फसल पर कीडे लगकर प्राकृतिक रोग उत्पन्न होते है।
४. कीटनाशक दवाईयों को छिडकाव आवश्यक है-जिससे आर्थिक हानि होती है।
५. भूमि की आद्रता (नमी) की शक्ति को नष्ट करती है-जिससे अधिक पानी की आवश्यकता पडती है।
६. फसलोमें गम्भीर संक्रामण रोग लगने से मानव, पशुओं के स्वास्थ्य के लिये हानिप्रद है।
७. जैविक खाद की तुलना में महंगी है।
८. कृत्रिम उत्पादन होने के कारण फसल स्वाद रहित एवं मनुष्य के स्वास्थ्य के लिये हानिकारक होती है।
९. जमीन पत्थर के समान कठोर हो जाती है।

पुराने काल में हमारे पूर्वज खेतों में देशी खाद का उपयोग करते थे - जिससे भूमि की उर्वरक व नमी क्षमता में वृद्धि होती थी - जिससे भरपूर फसल का उत्पादन होता था एवं फसले मनुष्य के स्वास्थ्य व जीवन के लिये हानिप्रद नहीं होती थी - एवं फसलों में गम्भीर संक्रामणकक रोग भी नहीं लगते थे।

जब से रासायनिक खाद का उपयोग प्रारम्भ हुआ हैं - तब से फसलोमें गम्भीर रोग उत्पन्न होने लगे है - फसल का स्वाद नष्ट हो गया है - एवं भूमि की आद्रता (नमी) शक्ति मे भारी गिरावट आई है - पानी की अतिरिक्त आवश्यक्ता पडती है व आर्थिक हानि में भी वृद्धि हुई है।

अब हमारे माननीय किसान भाईयों की समस्याओको दूर करने का समय आ गया है - इन समस्याओं को दूर करने की दिशा में हम आपके समक्ष हमारा **फील्डमार्शल** जैविक खाद लेकर उपस्थित हुये है - हमें अटूट विश्वास है की हमारे **फील्डमार्शल** जैविक खाद के उपयोग से हमारे किसान भाईयों को बेहतर परिणाम प्राप्त होगें - हम ५० किलो (पावडर) की पैकींग में जैविक खाद उपलब्ध करवा रहे है।

फील्डमार्शल जैविक खाद उपयोग करने से भूमि में भारी मात्रा मे जैविक जीवाणु की उत्पत्ति होती है।

फील्ड मार्शल जैविक खाद में निम्न चीजों का मिश्रण है :

जैवीक खाद : (१) नीम्बोली की खल (२) सरसौ की खल (३) अरंडी की खल (४) कपासकी खल (५) करंजी की खल (६) तम्बाकू पावडर (७) मुर्गा खाने का खाद (८) गन्ने का भूसा (९) मिल्क प्रोटीन (ताक)

फील्ड मार्शल जैविक खाद उपयोग में लेने का बेहतरीन तरीका :

प्रथम बार मे प्रति एकड निम्नानुसार फील्डमार्शल जैविक खाद के साथ जितनी मात्रा पहले रासायनिक खाद डालते आ रहे हैं उसका ५०% रासायनिक खाद डाले तो बेहतर परिणाम आयेंगे। आगामी फसल मे धीरे-धीरे रासायनिक खाद की मात्रा कम करते हुए रासायनिक खाद को बिल्कुल बंद किया जा सकता है।

फसल का नाम	उपयोग में लेने का बहेतरीन तरीका	मात्रा /प्रति एकड
ज्वार, बाजरा, मक्का, दालें, अन्डी, सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन, अरहर	बीज बोने से पहले	१०० कि.ग्रा.
गन्ना एवं रायडा	बीज बोने से पहले और बीज बोने के ४५ दिन के बाद	४०० कि.ग्रा.
केला, पपीता, कपास, तम्बाकू, चावल, जीरा, गेंहू एवं मूगफली, चना, मटर	बीज बोने से पहले	२०० कि.ग्रा.
केला, पपीता, एवं कपास	बीज बोने के बाद ४५ दिन के बाद	२०० कि.ग्रा.
गुलाब, मोगरा जैसै पेड	बीज बोने से हर ३ मास के बाद	२०० कि.ग्रा.
आम, चीकू, अनार, संतरा जैसै फुलझाड एवं साग, नारियल, अंजीर, इमली, खजूर	१ से ५ साल तक	४ कि.ग्रा. / १ पौधा
	६ से १० साल तक	१० कि.ग्रा. / १ पौधा
	११ साल बाद	१५ से २० कि.ग्रा. / १ झाड
लहसुन, प्याज, टमाटर, आलू, मिर्च, अंगुर, पान और सभी तरह की सबजी	बीज बोने से पहले	२०० कि.ग्रा.

फील्डमार्शल–जैविक खाद में कुदरती गुण :

जिंक	:- पौधो में हारमोन्स व एन्जाइम की मात्रा बढाता है जिससे फूल अधिक आते है एवं फूलों का झडना कम हो जाता है।
मैग्नीशियम	:- प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के लिए आवश्यक है। इस क्रिया के द्वारा पौधे भोजन करते है।
सल्फर	:- फसलों में प्रोटिन निर्माण मे मदद करता है। तिलहन फसलों में तैल की मात्रा बढाता है।
बौरांन	:- फली व फल का आकार व स्वस्थ दाने बनाने के लिए अति आवश्यक है।
आयरन	:- क्लोरोफिल (हरे पदार्थो) के निर्माण के लिए आवश्यक है।
कॉपर व मैग्जीन	:- पौधो मे रोग व कीट प्रतिरोधक क्षमता का विकास करता है।
मोली ब्लेडनम	:- यह तत्व दलहनी फसलों की जडो के अन्दर रहने वाले राइजोबियन जीवाणु (गोल-गोल गांठो) की संख्या व गठानों का आकार बढाने में मदद करता है। जो जीवाणु वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करके पौधो को प्रदान करते है।

फील्डमार्शल–जैविक खाद का फसलों पर प्रभाव :

(१) पौधो का समुचित विकास (२) गहरे हरे पते (३) उतम फल एवं फुल आना (४) हरी-भरी फलीयाँ व मोटे दाने (५) पौधो में आने वाला पीलापन, कीडा और फफुंद रोग नियन्त्रित करता है। (६) आरम्भ में पौधो की पतियों को हरी भरी और आकर्षक करते हुए समतोल विकास करता है। (७) पौधो की जड बढता है पौधो को मजबूत बनाता है। और आने वाले रोग कीटाणुओं के सामने रोग प्रतिकार शक्ति बढाता है।

माननीय किसान भाईयों, सहकारी संघो व व्यापारियों से आग्रह है कि आपके निकटस्थ फील्डमार्शल डीलर से सम्पर्क कर फील्डमार्शल जैवीक खाद बाबत उपलब्ध सुविधाओं का लाभ अर्जित करें। आपको सर्वोत्तम व शीघ्र सेवा प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर है।

जे. चंद्रकांत एण्ड कां

आर्थिक भवन (ग्राउंड फ्लोर), बोम्बे गेरेज पेट्रोल पंप के पास, गोंडल रोड, राजकोट-३६०००२

दूरभाष : ०२८१-२२३९७३०, दूरभाष (गोडाउन): ०२८१-२३८७९९३, फैक्स :०२८१-२२२३८७२

E-mail: jesico2010@gmail.com, Web Site: www.jesico.com

Ph.(0281)2480280